वर्तमान में विवाह नहीं मंगनी टूट रही हैं क्यों ?

समाज में कुंडली मिलान के साथ साथ प्रत्याशी के बारे में पूछताछ भी मंगनी टूटने की एक वजह बनती जा रही है जिस कारण समाज के अविवाहित युवकों और युवतियों की आयु बढ़ती जा रही है। कुंडली मिलान पर कई बार चर्चा हुई परंतु इसका लाभ समाज के कुछ ज्यादा नहीं दिख पा रहा है।

आजकल कई प्रकरण आ रहे हैं जहाँ समाजजनों से पूछताछ गलत मिलने पर बात आगे नहीं बढ़ पाती, मुलाकात तक नहीं होती। ध्यान देने की बात यह है कि आप जिस व्यक्ति से पूछताछ करवा रहे हैं, वह किसी तीसरे व्यक्ति को फोन करता है और तीसरा किसी चौथे व्यक्ति से जानकारी हासिल करता है... अगर प्रत्याशी के परिचितों को फोन लग गया तो पूछताछ अच्छी, अगर ईर्ष्यालु को फोन लगा तो पूछताछ गलत। इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि मनुष्यों में एक दूसरे के प्रति ईर्ष्या बहुत बढ़ गई है, ऐसे बहुत कम रिश्ते बचे हैं जिनमें खटास नहीं है। कुछ लोग इस खुशफहमी में रहते हैं कि उनकी इन्क्वायरी गलत नहीं निकल सकती.. तहकीकात करने पर पता चलता है कि इनके प्रियजन और उनके करीबी मित्र ही इनके बारे में गलत बातें कहते हैं। याद रखें कि राजा जनक ने सीता माता को सूझबूझ कर ही प्रभु राम को सौंपा था।

अच्छे-अच्छे घरों के पढ़े-लिखे लड़के-लड़कियां 32, 34, 36 की उम्र तक बैठे हैं... कुंडली के साथ-साथ लोग ज्यादा पूछताछ में फंस रहे हैं, याद रखें भगवान कृष्ण के मामा कंस थे और पांडवों के चाचा धृतराष्ट्र थे... तो हम किस खेत की मूली है।

कई जगह पूछताछ सही मिलने के बावजूद कुछ हफ्तों में सगाई टूट रही है। आज आये दिन सुनने में आ राह कि रात में फलदान हुआ और दूसरे दिन टूट गया। फिर कहते है भैया हम तो बहुत बच गये फलां लडका ऐसा था फलां लड़की ऐसी थी। पहले अच्छी तरह विचार लें फिर संबंध करे। यदि किसी कारण से संबंध टूट भी जाता है तो समाज में बच्चों की बुराई न करें। हो सकता है आपको गलतफहमी हो और आपको गलत जानकारी मिली हो। गलतफहमी के शिकार हुए युवक- युवती के बारे में लोगों की धारणा गलत बन जाती हैं। आपका सबंध छूट गया तो बोल दीजिए योग, निमित्त नहीं थे। पर उस परिवार को और बच्चों को बदनाम न करे। वैसे ही हमारी जैन समाज मुट्ठी भर है और ऐसे कार्य के कारण उनके मन में वितृष्णा उत्पन्न हो जाती है। पर कुछ महीनों में शादी टूट रही है, इसकी वजह क्या है?...

हमें सचेत रहने की आवश्यकता है.. केवल बाहर की सजावट पर ध्यान न दें... ध्यान रखें फलों से लदे वृक्ष को ही पत्थर मारे जाते हैं... अंततः सिर्फ और सिर्फ मुलाकात करने पर ध्यान दें अधिक जानकारी निकालने में न फँसे...

परिवार से मुलाकात करें उनके घर पर जाए, दुकान पर जाकर मिले और अपने अनुभव से जाँच पड़ताल करें अपनी बुद्धि से निर्णय ले.. किसी दूसरे या तीसरे की बुद्धि से निर्णय न लें।

केवल मोबाइल पर व्हाट्सएप खेलने से कुछ नहीं होगा। घर बैठे बैठे निर्णय न लें एक बार स्वयं अपनी आँखों से देखे। जब हम सामने से जाकर देखते हैं तो हमारी धारणा बदल जाती है।

जिंदगी में कभी न कभी शादी का पल जरुर आता है, शादी से पहले सगाई की जाती है। सगाई एक तरह से शादी पक्की करने की औपचारिक घोषणा है, इसके साथ ही ये रिश्ता आगे बढ़ता है।

सोशल मीडिया के आधुनिक दौर में लड़के और लडकी को बहुत सावधानी बरतने की जरुरत है। अक्सर देखा जाता है कि शादी पक्की होने के बाद लड़का और लड़की फोन पर और वीडियो कॉल पर घंटों बातें करते हैं। इस दौरान दोनों ही एक दूसरे को बारीकी से नोटिस कर रहे होते हैं। बहुत ज्यादा बात करने में कई बार बात गलत फंस जाती है। उनके मुँह से कुछ ऐसा निकल जाता है, जो उनके रिश्ते पर असर डाल सकता है। इसलिए शादी होने तक अपने मंगेतर से बातचीत मर्यादा में रहकर ही करें। पूरे दिन खुद को फोन पर बिजी नहीं रखें। इसके अलावा शादी से पहले मंगेतर से कम मिलें या हो सके तो न मिलें।

बातचीत में सम्मान का ख्याल रखें – अपनी बातचीत में भाषा का ख्याल रखें, साथ ही मंगेतर को पूरा सम्मान दें। शादी के बंधन में बंधने के बाद एक दूसरे पर भरोसा और एक दूसरे का सम्मान ही इस रिश्ते को मधुर बनाकर रखता है इसलिए कभी भी अभद्रता का व्यवहार न करें और दूसरे पक्ष पर कभी रौब न झाड़े। लेकिन याद रखें कि शादीशुदा जीवन में दो लोग जीवनसाथी बनते हैं। इस रिश्ते में दोनों का औहदा बराबरी का होता है। ऐसे में अपने मंगेतर को किसी भी हाल में अपनी बातों से दबाने का प्रयास नहीं करना चाहिए। आपका रौब आपके रिश्ते में दरार डाल सकता है। एक दूसरे की इच्छा का सम्मान करें और समझने का प्रयास करें। फिर आपस में विचार नहीं मिल रहे ये कहकर रिश्ता खत्म।

परिवार को लेकर गलत न कहें – चाहे लडक़ा हो या लडक़ी, दोनों ही अपने जीवनसाथी से ये उम्मीद करते हैं कि वो उनके परिवार वालों का सम्मान करेंगे। इसलिए कभी भी परिवार को लेकर कोई ऐसी बात न कहें, जो सामने वाले को सुनने में बुरी लगे, ऐसी स्थिति में आपका रिश्ता टूट भी सकता है और अगर नहीं टूटा, तो भविष्य में आपके मंगेतर के मन से वो बात आसानी से नहीं निकल पाएगी।

वर्तमान में मंगेतर फिल्मी दुनिया में जीते हैं। रियल लाइफ नहीं रॉयल व रील लाइफ में जीना चाहते हैं यदि यहां कोई कमी रह जाती है तो रिश्ता टूटने में देर नहीं लगती है। वर्तमान में विवाह के गहने, कपड़े, खानपान, प्री वेडिंग शूट, शादी के बाद कहां घूमने जाना आदि बातों को लेकर भी रिश्ते टूट रहे है।

दोनों पक्षों को विवाह की मर्यादा समझते हुए शालीनता पूर्वक अपना व्यवहार बनाना चाहिए ताकि संबंध हो या ना हो पर मन में खटास ना हो और जय जिनेन्द्र कर सके।

साभार - जैन युवक युवती बायोडाटा संघ

लोक सेवा आयोग व न्यायिक सेवाओं की परीक्षा की तैयारी हेतु प्रवेश प्रारंभ

परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री विद्यासागर जी के आशीर्वाद से एवं दिगम्बर जैन पंचायत ट्रस्ट चौक भोपाल के अंतर्गत अनुशासन भोपाल द्वारा **UPSC ,MPPSC ,CJ** हेतु छात्राओं को आवास, भोजन, टेस्ट-सीरीज एवं टॉपर्स, वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मार्गदर्शन, क्लासेस इत्यादि सुविधाएँ दी जाती है। अपना आवेदन प्रस्तुत करें। केवल छात्राओं हेतु। *** पंजीयन दिनांक- 06 अप्रैल से 30 मई 2023 * परीक्षा दिनांक - रविवार 04 जून 2023 * समय -प्रात: 9 से 11 बजे तक * स्थान - अनुशासन परिसर, श्री आदिनाथ जिनालय, हबीबगंज, भोपाल।**

आवेदन करें **http://anushasanbhopal.com/Registration.aspx**

आवेदन हेतु इस नंबर पर सम्पर्क करें- मुकेश जी 85169 10423, सौरभ जी 9300620640, और अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें - 9926494401,9826050613, 9425326269, 7987104906, 9826459828

वालचंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी, सोलापुर (महाराष्ट्र)

देश का प्रथम जैन माइनॉरिटी तथा Autonomous Engineering College हैं। यह इंस्टिट्यूट AICTE Approved VWm NBA, नई दिल्ली और NAAC, बैंगलुरु द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। फर्स्ट ईयर इंजीनियरिंग एडमिशन के लिए इस इंस्टिट्यूट में 51% सीटें जैन छात्रों के लिए आरक्षित है। जैन छात्रों एवं छात्राओं के लिये स्वतंत्र होस्टल (छात्रावास) तथा होस्टल मे जिन चैत्यालय, सेल्फ कन्टेन्ट रुम एवं जैन भोजन की उत्तम व्यवस्था है। यह जानकारी आप सभी आपके शहर के जैन परिवारों तक पहुंचायेंगे, यही आशा करते हैं, धन्यवाद !

इंस्टीट्यूट की वेबसाइट: https://witsolapur.org/

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

+91 7588571100, +91 75885 81100

* विनम्र श्रद्धांजली *

* श्री मुकेश कुमार, राकेश कुमार जैन राकेंद्रु फणीश के पिताजी **श्री उत्तमचंद फणीश** का 16 जनवरी को देवलोक गमन हो गया है।

* **श्री स्वतंत्र जैन** के पिताजी श्री पूरन चंद जैन का देवलोक गमन दिनांक 18 जनवरी 23 को इन्दौर में हो गया। आप समाज के वरिष्ठ सदस्य थे।

* श्री शीलचंद जैन की धर्मपत्नी व श्री मुकेश जैन अनिल कुमार जैन की माताजी **श्रीमती मनोरमाबेन जैन** का देवलोकन गमन 21 जनवरी को अहमदाबाद में हो गया है आप काफी धार्मिक व सरल स्वभाव की महिला थी।

* श्री राकेश, अनिल, राजेश, मुकेश एवं जिनेश जैन के पिताजी **श्री शीलचंद जैन** (पूर्व प्राचार्य) का देवलोकन गमन 30 जनवरी को भोपाल में हो गया है।

* श्री राहुल जैन एवं प्रद्युम्न जैन के पिताजी **श्री कमल कुमार जैन** का देवलोकगमन 5 फरवरी को भोपाल में हो गया।

* श्री कैलाशचंद मोदी की धर्मपत्नी एवं श्री राहुल जैन की माताजी **श्रीमती बैनीबाई जैन** का देवलोकगमन 8 फरवरी को तालबेहट में हो गया।

* श्री अतुल कुमार जैन, अनिल कुमार जैन व आशीष कुमार जैन के पिताजी **श्री पूरनचंद जैन** का देवलोकगमन 17 फरवरी को इन्दौर में हो गया है आप सामाजिक व धार्मिक कार्यों में बढ़ चढ़कर अपनी भागीदारी रखते थे। आपके परिवार की ओर से 1100 रु. की राशि समाज को दी गई।

* **श्री शिखरचंद फुंदीलाल जैन** का देवलोक गमन 19 फरवरी को अहमदाबाद में हो गया।

* श्री सुशील कुमार एवं नरेन्द्र कुमार जैन के पूज्य पिताजी **श्री शिखरचंद जैन** पवावालों का देवलोकगमन 25 फरवरी को तालबेहट में हो गया। आप श्री 1008 दि. जैन सिद्धक्षेत्र पवागिरीजी के संरक्षक रहे।

* स्वर्गीय श्री पन्नालाल जी मऊवालों की धर्मपत्नी एवं श्री सुरेश जैन व निर्मल जैन की माताजी **श्रीमती कपूरी बाई जैन (दिगोडा वाली)** का देवलोकगमन 8 मार्च को इन्दौर में हो गया। आप धार्मिक व सरल स्वभाव की महिला थी, धार्मिक कार्यों में आपकी उपस्थिति हर समय बनी रहती थी आपके परिवार की ओर से गोलालारीय समाज मंदिर को स्मृति स्वरुप 2100 रु. की दान राशि दी है।

* श्री कैलाशचंद जी (ललित रेडियो) एवं श्री मोहित व ललित की माताजी **श्रीमती राजकुमारी जैन** का देवलोक गमन 17 मार्च को ललितपुर में हो गया। आप धार्मिक व सामाजिक कार्यों में विशेष रुचि रखती थी।

* श्री सुरेशचंद जैन पंचरतन के भाई **श्री महेश जैन एसबीआई** का देवलोकगमन 17 मार्च को भोपाल में हो गया। आप सामाजिक व धार्मिक कार्य में विशेष रुचि रखते थे। भोपाल गोलालारीय समाज में पदाधिकारी भी रहे व नेहरु नगर मंदिर में भी आप पदाधिकारी रहते हुए जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वाह किया।

* श्री अरुणकुमार जैन कोटावालों की धर्मपत्नी **श्रीमती राजकुमारी जैन** का देवलोकगमन 27 मार्च का हो गया। आप ललितपुर निवासी श्री महेन्द्रकुमार चूना वालों की सुपुत्री थी।

* श्री अरविन्द, देवेन्द्र, प्रसन्न, राजेश जैन के भाई **श्री प्रफुल्ल कुमार जैन** का देवलोकगमन 3 अप्रैल को हैदराबाद में हो गया। आप धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में रुचि रखते थे। आप मूलत: तुमसर के रहने वाले थे।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से सादर श्रद्धांजलि।